



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 795] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 21, 1992/अग्रहायण 30, 1914
No. 795] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 21, 1992/AGRAHAYANA 30, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1992

का.आ. 917(अ) —विधि-विरुद्ध क्रिया कलाप (निवारण) अधिनियम, 1967
(1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
केन्द्रीय सरकार, अपना यह मत होना पर वि. ऐना करना आवश्यक है, एतद्वारा “विधि-विरुद्ध
क्रिया कलाप (निवारण) अधिनियम” का गठन करती है जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के
न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री वाई. के. सभरवाल होंगे।

[ग. 11011/49/92-एन.ई.-IV]

बाल्मीकि प्रसाद सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st December, 1992

S.O. 917(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Justice Y. K. Sabharwal, Judge of the Delhi High Court.

[F. No. 11011/49/92-NE. IV]

B. P. SINGH, Jt. Secy.